पाठ-40

सामर्थ्य

प्रेरितों के काम 2:1-41

स्वर्ग में चढ़ने से पहले, यीशु ने अपने शिष्यों से कहा कि कुछ दिनों में "तुम पवित्र आत्मा से बपतिस्मा पाओगे" (प्रेरितों 1:5)। फिर, उन्होंने कहा, "तब तुम सामर्थ्य पाओगे; और यरूशलेम और सारे यहूदिया और सामरिया में, और पृथ्वी की छोर तक मेरे गवाह होगे" (1:8)। उन्हें ज्यादा देर तक इंतजार नहीं करना पड़ा। ठीक दस दिन बाद, जब यरूशलेम कई देशों से आए पर्यटकों से खचाखच भर गया था, तो यीशु का वादा पूरा हुआ।

अध्यक्ष ने बताया कि गिरजाघर की सूची अब 120 सदस्यों की हो गयी है। वे कोई भवन प्राप्त करने में सक्षम नहीं थे, और इसलिए वे अभी भी शहर में एक घर की अटारी में बैठ कर बैठक कर रहे थे, जिसे उन्होंने किराये पर लिया था।

प्रार्थना सभा में अच्छी भावना थी और इस बात पर काफी चर्चा हुई कि खाली पड़े नेतृत्व के पद को किस प्रकार भरा जाए। परन्तु इसके अलावा ज्यादा कुछ नहीं हुआ था।

अपने समुदाय तक पहुँचने का कार्य उनके लिए असंभव प्रतीत हो रहा था।। वहाँ बहुत कम पैसा था, बहुत कम लोग थे, और उनके बैठक स्थल के बाहर एक ऐसी संस्कृति थी जिसमें उनके संदेश को ग्रहण करने के लिए बहुत कम जगह थी। प्रेरितों के काम की पुस्तक के आरंभ में कलीसिया ऐसी ही थी।

परन्तु पिन्तेकुस्त के दिन, पवित्र आत्मा पहले विश्वासियों पर उंडेला गया। और उसके बाद, कलीसिया पूरी तरह से बदल गया।

हवा की तरह एक ध्वनि

"एकाएक आकाश से बड़ी आँधी की सी सनसनाहट का शब्द हुआ, और उससे सारा घर जहाँ वे बैठे थे, गूँज गया" (2:2)। एक ओलंपिक धावक के बारे में सोचें। जैसे ही हवा के बड़े-बड़े झोंके उसकी

छाती में दौड़ते हैं, सांस उसके फेफड़ों में भरती है और उसके शरीर को ऊर्जा मिलती है। पिन्तेकुस्त में ऐसा ही हुआ।

प्राचीन दुनिया में, कई भाषाओं में ”हवा,” ”साँस” और ”आत्मा” के लिए एक ही शब्द का इस्तेमाल किया जाता था। हवा की आवाज़ सांस की आवाज़ के समान है, केवल यह ज्यादा तेज़ है और लंबे समय तक रहती है।

जब आपको बाइबल में कुछ असामान्य मिलता है, तो यह पूछना सहायक होता है कि, ”हमने इससे पहले ऐसा कुछ कहाँ देखा है?” और यदि हम पूछें कि ”हमने पहले हवा या सांस की आवाज़ कहाँ देखी है?” दो स्पष्ट उत्तर हैं।

बाइबल कहानी की शुरुआत में, हम परमेश्वर द्वारा आदम में जीवन फूंकने के बारे में पढ़ते हैं। परमेश्वर ने ज़मीन की धूल से एक बेजान पुतले को आकार दिया। तब परमेश्वर ने इस कंकाल ढाँचे में श्वास फूंकी। परमेश्वर ने आदम को जीवन का चुम्बन दिया, और पहला मनुष्य जीवित प्राणी बन गया।

फिर, यीशु के स्वर्ग में चढ़ने से पहले, उन्होंने शिष्यों पर साँस फूंकी और कहा, "पवित्र आत्मा लो" (यूहन्ना 20:22)। ऐसा करते हुए, यीशु यह अनुमान लगा रहे थे कि पिन्तेकुस्त के दिन क्या होगा। इसलिए जब शिष्यों ने कुछ ही दिनों बाद तेज़ हवा जैसी आवाज़ सुनी, तो उन्होंने तुरन्त इसे यीशु के सांस फूंकने की आवाज़ से जोड़ा, और वे पहचान गए कि यह यीशु ने जो वादा किया था वह पूरा हो गया था।

आग की वृहत लपटें

तेज़ हवा की आवाज़ सुनकर, "उन्हें आग की सी जीभें फटती हुई दिखाई दीं और उनमें से हर एक पर आ ठहरीं" (प्रेरितों 2:3)।

एकत्रित विश्वासियों के ऊपर आग का एक बड़ा गोला या स्तंभ दिखाई दिया। जैसे-जैसे आग करीब आती गई, यह अलग-अलग लपटों या ”आग की सी जीभ” में विभाजित हो गई, जिससे कि कमरे में मौजूद हर व्यक्ति पर एक लौ टिक गई। आश्चर्य की बात यह थी कि उनमें से कोई भी जला नहीं था।

फिर, इसे समझने का सबसे अच्छा तरीका यह पूछना है कि बाइबल में हमने इससे पहले कहाँ ऐसा कुछ देखा है। पुराने नियम में, परमेश्वर ने मूसा को आग की लपटों में दर्शन दिया जो एक झाड़ी पर टिकी हुई थी जो जल नहीं रही थी और उसे मिस्र में परमेश्वर के लोगों को उसकी गुलामी से बाहर निकालने का आदेश दिया। अब परमेश्वर अपनी कलीसिया को एक नया आदेश देने के लिए आग में आ रहे थे।

कल्पना करने की कोशिश करें कि आप उन 120 लोगों के बीच में है जब आग गिरी। आप ऊपर देखते हैं और यह देखते हैं कि आग आपके ऊपर धीरे-धीरे कमरे के बीच में उतर रही है। आपको एहसास होता है कि क्या हो रहा है: परमेश्वर की उपस्थिति उनके लोगों के बीच आ रही है। आप विस्मय की भावना से भर जाते हैं। वह परमेश्वर जो मूसा को दिखाई दिया था, फिर से अपनी उपस्थिति प्रकट कर रहा है, और आप वहाँ कमरे में हैं।

आपको याद होगा कि जब मूसा के पास आग आई, तो उसे परमेश्वर के उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए नियुक्त किया गया था। तो आप आश्चर्य करेंगे की, *अब आग की लपटें किस पर टिकेंगी?* क्या यह पतरस, याकूब, यूहन्ना, या शायद तीनों पर टिकेंगी? या शायद सभी बारह प्रेरित पर।

परन्तु जैसे ही आप ऊपर देखते हैं, आपको एहसास होता है कि आग की लपटों में से एक आपकी ओर आ रही है। आप कमरे के चारों ओर देखते हैं, और हर व्यक्ति पर एक लौ टिकी हुई है! परमेश्वर प्रत्येक विश्वासी को दुनिया में अपने उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए नियुक्त कर रहे हैं।

पुराने नियम में, भविष्यवक्ताओं, पुरोहितों और राजाओं को सेवकाई के लिए परमेश्वर द्वारा अभिषिक्त किया गया था। परन्तु नए नियम में, परमेश्वर की आग न केवल पतरस, याकूब और यूहन्ना पर पड़ी बल्कि उन सभी बेनाम विश्वासियों पर भी पड़ती है, जिन्होंने कभी भी नेतृत्व पदों की आकांक्षा नहीं की थी। परमेश्वर की आत्मा उन सभी पर निवास करती है जो यीशु से प्रेम करते हैं और उनका अनुसरण करते हैं, और प्रत्येक व्यक्ति को दुनिया में परमेश्वर के उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए एक भूमिका निभानी है।

उन्होंने अन्य भाषाओं में बोला

अचानक और अनायास, प्रत्येक विश्वासी ने पाया कि वे उन भाषाओं में बोलने में सक्षम थे जो उन्होंने कभी नहीं सीखी थीं: "वे सब पवित्र आत्मा से भर गए, और जिस प्रकार आत्मा ने उन्हें बोलने की सामर्थ्य दी, वे अन्य अन्य भाषा बोलने लगे" (प्रेरितों 2:4)।

बाबेल की इमारत पर बहुत पहले जो हुआ था यह उसका उल्टा था (उत्पत्ति 11:1-9)। बाइबल की कहानी के आरंभ में, जब परमेश्वर के विरुद्ध मनुष्य का विद्रोह ज़ोर पकड़ रहा था, लोगों ने एक इमारत के साथ एक शहर बनाया जो उनकी महानता की घोषणा करता और उन्हें सुरक्षा प्रदान करता।

परमेश्वर अवतरित हुए और मानव जाति में अनेक भाषाओं के भ्रम की शुरुआत करके मनुष्य के ईश्वर विहीन साम्राज्य की गति को तोड़ दिया।

कल्पना करें कि जैसे ही आप एक सुबह निर्माण स्थल पर पहुँचते हैं, एक सहकर्मी आपसे बात करता है, और आप उसे समझ नहीं पाते हैं। जब आप दोपहर के भोजन के लिए अवकाश लेते हैं, तो आप पाते हैं कि पूरा कार्यबल असमंजस में है क्योंकि लोग अस्पष्ट आवाज़ें निकाल रहे हैं।

आख़िरकार, आपकी बड़ी राहत के लिए, आपको कोई और मिल जाता है जो आपकी भाषा में बात करता है। आप कहते हैं, "मैं किसी ऐसे व्यक्ति को पाकर बहुत खुश हूं जो समझदारी से बात करता है।" "बाकी सब अस्पष्ट भाषा में बात कर रहे हैं!"

पूरे निर्माण स्थल पर, लोगों के छोटे-छोटे समूह एकत्रित हो रहे हैं, जो एक ही भाषा की पहचान से बंधे हुए हैं। वे सभी एक ही निष्कर्ष पर आ रहे हैं: अब समय आ गया है कि इस पागलखाने को छोड़ दिया जाए और उन लोगों के साथ नया जीवन जीया जाए जिनकी भाषा वे समझ सकते हैं। इसलिए वे उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम में बिखर जाते हैं - अपने भीतर भविष्य के संघर्ष के बीज ले जाते हुए वे विभाजित हो जाते हैं।

बाबेल में, विभिन्न भाषाएं मनुष्य के विद्रोह पर परमेश्वर के न्याय का संकेत था। भाषाएँ भ्रम लेकर आईं। लोग अब संवाद नहीं कर सकते थे, और इसलिए वे विभाजित हो गए। परन्तु पिन्तेकुस्त का दिन बिल्कुल विपरीत था। स्वर्ग के नीचे की हर जाति के लोग यरूशलेम में इकट्ठे हुए थे (प्रेरितों 2:5)। और जब परमेश्वर का आत्मा आया, तो विश्वासियों ने स्वयं को उन भाषाओं में बोलते हुए पाया जो उन्होंने कभी नहीं सीखी थीं, ताकि दुनिया भर के लोग यीशु मसीह के सुसमाचार सुन और समझ सकें।

बाबेल में, विभिन्न भाषाएं परमेश्वर की ओर से न्याय थीं जिसके कारण भ्रम की स्थिति पैदा हुई और लोग तितर-बितर हो गए। पिन्तेकुस्त में, विभिन्न भाषाएं परमेश्वर की ओर से एक आशीष थीं, जिससे समझ पैदा हुई और लोगों को इकट्ठा किया गया। बाबेल में, परमेश्वर ने मनुष्य के शहर की

प्रगति को धीमा करने के लिए भाषा के अभिशाप का उपयोग किया। पिन्तेकुस्त में, परमेश्वर ने मसीह के राज्य की प्रगति को गति देने के लिए भाषा के उपहार का उपयोग किया।

परमेश्वर का उद्देश्य पृथ्वी पर हर भाषा समूह के लोगों को यीशु के सुसमाचार को सुनाना था। भाषा सुसमाचार के लिए कोई बाधा नहीं होगी।

पिन्तेकुस्त के दिन एक उद्देश्य-उन्मुख कलीसिया का जन्म हुआ। परमेश्वर ने अपने लोगों में अपना जीवन फूंक दिया। उनकी उपस्थिति आई और उन पर टिकी, क्योंकि उन्होंने उन्हें दुनिया में अपने उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए सुसज्जित किया।

लोगों को अपनी-अपनी भाषाओं में परमेश्वर के पराक्रमी कार्यों की घोषणा करते हुए सुनकर भीड़ आश्चर्यचकित रह गई (2:11)। वे समझ नहीं पा रहे थे कि क्या हो रहा है, इसलिए पतरस ने भीड़ को आदेश देने के लिए बुलाया। उसने उन्हें बताया कि यीशु, जो क्रूस पर चढ़ाया गया था, वह मृतकों में से जी उठा है,पिता के दाहिने हाथ पर ऊंचा किया गया है, और अब उन्होंने अपने लोगों पर पवित्र आत्मा उंडेला है। भीड़ जो देख-सुन रही थी, उनके लिए यही स्पष्टीकरण था।

लोगों ने स्पष्ट रूप से विश्वास किया जो पतरस ने यीशु के बारे में कहा था, इसलिए उसने उन्हें अगला कदम बताया: "मन फिराओ, और तुम में से हर एक अपने अपने पापों की क्षमा के लिये यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले; तो तुम पवित्र आत्मा का दान पाओगे। क्योंकि यह प्रतिज्ञा तुम, और तुम्हारी सन्तानों, और उन सब दूर-दूर के लोगों के लिये भी है जिनको प्रभु हमारा परमेश्वर अपने पास बुलाएगा" (2:38-39)।

तीन हजार लोगों ने पतरस के निमंत्रण का उत्तर दिया। और उसके बाद के दिनों में, वे अपने घर लौट आए और उन लोगों को यीशु का सुसमाचार सुनाया जिनकी भाषा वे पहले से जानते थे।

परमेश्वर का आज का उद्देश्य

बाइबिल की कहानी में महत्वपूर्ण क्षणों में, परमेश्वर ने अपनी उपस्थिति को एक दृश्य तरीके से ज्ञात कराया। हम इन अवसरों को *थियोफनीज़* कहते हैं, और वे बहुत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि उनमें हम देखते हैं कि परमेश्वर कुछ लोगों के लिए दृश्य तरीके से वही करते हैं जो वे अपने सभी लोगों के लिए अदृश्य तरीके से करते हैं।

पिन्तेकुस्त के दिन, परमेश्वर हमें हवा, आग और भाषाओं के माध्यम से सिखा रहे थे कि वे हमेशा अपने लोगों के बीच क्या करना चाहते हैं। परमेश्वर हमें अपनी सामर्थ्य और उपस्थिति देते हैं और हमें सभी लोगों तक सुसमाचार पहुँचाने के लिए भेजते हैं।

परमेश्वर अपनी आत्मा न केवल अगुवों को, बल्कि अपने सभी लोगों को देते हैं। सर्वशक्तिमान परमेश्वर की उपस्थिति और सामर्थ्य प्रभु यीशु मसीह में प्रत्येक विश्वासी पर टिकी हुई है।

प्रत्येक ईसाई और हर कलीसिया के पास पृथ्वी पर प्रत्येक राष्ट्र के लोगों को आशीषित करने के परमेश्वर के महान उद्देश्य को पूरा करने का कार्य है। कुछ लोगों के लिए, इसका मतलब होगा दूसरी संस्कृति में जाना और दूसरी भाषा सीखना ताकि यीशु के सुसमाचार को ज्ञात करा सकें। दूसरों के लिए, परमेश्वर की बुलाहट हमारी आवाज़ को उस भाषा में ढूंढना होगा जो परमेश्वर ने हमें पहले से ही दी है।

परमेश्वर आश्चर्यजनक रूप से प्रत्येक विश्वासी के आसपास लोगों के समूह रखते हैं ताकि हम यीशु के सुसमाचार को उनकी भाषा में बता सकें। शायद आप हाई स्कूल के छात्रों या बच्चों की भाषा बोल सकते हों। परमेश्वर ने आपको इस तरह से रचा है कि आपके लिए लोगों के एक निश्चित समूह के साथ संवाद करना संभव हो सके। पता लगाएं कि वे कौन हैं, उनके बीच जाएं और उन्हें यीशु के बारे में बताएं।

प्रशन

परमेश्वर के वचन के साथ आगे जुड़ने के लिए इन प्रश्नों का उपयोग करें। उन पर किसी अन्य व्यक्ति के साथ चर्चा करें या उन्हें व्यक्तिगत प्रतिबिंब प्रश्नों के रूप में उपयोग करें।

1- किस चीज़ ने प्रथम विश्वासियों को बदल दिया? बाइबल इस बारे में क्या व्याख्या करती है कि कैसे इतने कम लोग अपने आस-पास की दुनिया पर इतना बड़ा असर डाल सकते हैं?

2- प्रत्येक विश्वासी को पवित्र आत्मा क्यों दिया जाता है?

3- जब पिन्तेकुस्त के दिन विश्वासियों पर आत्मा उंडेला गया तो उन्हें अन्य भाषाओं में बोलने की क्षमता क्यों दी गई?

4- पवित्र आत्मा की उपस्थिति से आपके जीवन में क्या फर्क पड़ा है? या पवित्र आत्मा की उपस्थिति से आपके जीवन में क्या फर्क पड़ेगा?

5- सुसमाचार संदेश सुनने की प्रतिक्रिया के रूप में पतरस ने लोगों से कौन सी दो बातें करने को कहा? उसने कौन सी दो चीज़ों का वादा किया था जिसके परिणामस्वरूप उनके साथ घटित होगा?